the on-going report of the same with comparative details along with respective investment pattern in other subsidiary corporations of the NTC Limited;

(b) what are the details of investment for modernisation schemes to be undertaken during the Eighth Plan period for each of the subsidiary corporations;

(c) whether it is a fact that Government are facing difficulties in finding proper personnel for postings in these corporations and which is one of the main causes for major losses;

(d) if so, what are the details thereof; and

(e) what action is being taken to improve the situation pertaining to proper personnel management, investment and modernisation to reduce losses in the sector?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) Due to resource constraints, a Plan outlay of Rs. 117 crores was approved in respect of nationalised mills of NTC towards implementation of schemes to meet statutory requirements and for labour rationalisation. An amount of Rs. 75 crores was to be spent to meet statutory requirements and Rs. 42 crores for labour rationalisation, leaving no amount for modernisation. However, in order to make its mills viable, NTC proposes to implement modernisation on a selective basis with the help of institutional finance. So far modernisation schemes in respect of 32 selective mills under NTC (APKK&M) Ltd., NTC (TN&P) Ltd., NTC (S.M.) Ltd. NTC (M.N. Ltd. and NTC (U.P.) Ltd. have been submitted to IDBI/IFCI. As regards modernisation of mills under NTC (WBABO) Ltd., a study is being made by the consultants and their cases would also be submitted IDBI/FCI on receipt of the same.

(b) National Textile Corporation has submitted a proposal for modernisation of its texile mills, envisaging an outlay of Rs. 523.76 crores, for the 8th Five Year Plan period. The 8th Plan proposals in respect of mills have not been finalised so far by the Government.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

(e) Action is being taken to fill up the Board level vacancies, as and when they arise. NTC proposes to implement modernisation schemes, in selective mills, with the help of Institutional Finance. Further, the performance of NTC is reviewed by the Government from time to time and effective measures taken to improve their performance.

Import of edible oil by the STC

3089. PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the quantum of edible oil imported by the State Trading Corporation during the last two years;

(b) whether it is a fact that a portion of such stored edible oil has become unfit for human consumption;

(c) if so, what are the details in this regard; and

(d) the details of the amount spent by STC for its import the name of the countries from which imports have been made and the details of Indian importers?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH): (a) and (d) Quantity and CIF value of edible oil imported by STC during the years 1987-89 and 1988-89 are as follows:—

Financial Year	Quantity (Lakh MT)	CIF Value (Rs. crores)
1987-88 . . .	19.67	947
1988-89 . . .	10.89	765

Imports were made from USA, Brazil, Argentina, Canada, Malaysia, Indonesia and Europe by STC only.

(b) and (c). Only imported refined dible oils are issued by STC for direct uman consumption. Currently STC has stock of about 13,000 MT of refined oils ll over the country, which are off-specications. However, these refined oils will e reprocessed first before being offered or consumption.

ब्राजील और दक्षिणी अमरीकी देशों से व्यापार

3090. **श्री अजीत जोगी :**

ठाकुर जगतपाल सिंह :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ब्राजील और दक्षिणी अमरीकी देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए हाल ही में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) क्या संबंधित राष्ट्रों द्वारा ऐसे क्षेत्रों का पता लगाया गया है, जिनमें व्यापार सवर्धन की व्यापक संभावनाए हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० आर० दासमुंशी) : (क) और (ख) ब्राजील तथा अन्य दक्षिण अमरीकी देशों के साथ व्यापार संवर्धन के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए उपायों में शामिल है--थ्रस्ट बाजारों और क्षेत्र में अच्छी निर्यात संभावना वाले विशिष्ट उत्पादों का चयन, व्यापार प्रतिनिधि मण्डलों और क्रेता विक्रेता बैठकों का आयोजन, संयुक्त आयोगों/समितियों तथा सयुक्त व्यापार परिषदों की बैठकों में द्विपक्षीय विचार विमर्श, सामान्य व्यापार मेलों में सहभागिता, वस्तु-व्यापार प्रणाली का प्रयोग और जहाजरानी तथा ऋण सुविधाओं में सुधार के प्रयास।

ब्राजील, अर्जेन्टाइना, मैक्सिको वेनेजुएला तथा क्यूबा इस क्षेत्र में थ्रस्ट व्यापार चुने गए हैं। भारत से निर्यात के लिए चुने गए उत्पाद हैं--औषधियों और भेषजों के विनिर्माण के लिए अपरिष्कृत और मध्यवर्ती सामग्री, रसायन, मशीनरी (वस्त्र, चीनी, कागज तथा निर्माण उद्योगों के लिए); विद्युत शक्ति के उत्पादन, परेषण तथा वितरण के उपस्कर, कृषि उपस्कर, रेलवे उपस्कर, और पुर्जे, लौह अपस्क पैलेट, आटोमोटिव पुर्जे, डीजल इंजन, साइकिल के पुर्जे हाथ के औजार तथा टायर और ट्यूब।

राज्य व्यापार निगम द्वारा महिला उद्यमियों के लिए वस्त्रों और सिले-सिलाये वस्त्रों संबंधी कार्यशालाओं की व्यवस्था

3091. **श्री अजीत जोगी :**

ठाकुर जगतपाल सिंह :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वस्त्र और सिले-सिलाये वस्त्र उद्योग लगाने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य व्यापार निगम द्वारा मध्य प्रदेश में किसी शिविर अथवा कार्यशाला की स्थापना की गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इस प्रकार की कार्यशालाए मध्य प्रदेश में कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है और ये कार्यशालाएं किन-किन स्थानों पर स्थापित की जाएंगी ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) राज्य व्यापार निगम का मध्य प्रदेश में ऐसी कार्यशाला आयोजित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।